यूपी दिवस आज, सीएम लॉन्च करेंगे युवा उद्यमी विकास अभियान

'यूपी गौरव' से सम्मानित किए जाएंगे छह लोग, रविवार तक आयोजित किए जाएंगे सम्मेलन, गोष्ठियां और रोड शो

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ : यूपी के स्थापना दिवस पर शुक्रवार को अवध शिल्प ग्राम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में सीएम योगी आदित्यनाथ 'सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान' योजना लांच करेंगे। वहीं, विशिष्ट काम करने वाले प्रदेश के छह लोगों को यूपी गौरव सम्मान दिया जाएगा।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अभियान के तहत युवाओं को 10 लाख रुपये तक का कर्ज उद्यम स्थापित करने के लिए दिया जाएगा। वहीं यूपी गौरव सम्मान में 11 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। स्थापना दिवस की थीम 'विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश' है। सभी विभाग इसी थीम पर शुक्रवार से रविवार तक प्रदर्शनी, संगोष्ठी, सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिता, रोड शो आदि करेंगे।

मंत्री ने बताया कि अवध शिल्प ग्राम में प्रदर्शनी लगाई जाएगी जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह

व भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी के जीवन प्रसंग आदि से दर्शक अवगत हो सकेंगे। भगवान विरसा मुंडा, सरदार वल्लभ भाई पटेल, व संविधान पर आधारित प्रदर्शनी भी लगेगी। विभागों की प्रतिभाएं सम्मानित की जाएंगी। जिलों के विशिष्ट उत्पादों से रूबरू होने के अलावा, फूड कोर्ट में विभिन्न अंचलों का स्वाद लेने का भी मौका मिलेगा। शुक्रवार को पर्यटन दिवस पर पेंटिंग, रील्स, पर्यटन प्रदर्शनी आयोजित करेंगे। रविवार को संस्कृति, कला जगत से जुड़ी हस्तियों को राजभवन में सम्मानित किया जाएगा।

ये चुने गए यूपी गौरव

कृष्णकांत शुक्ला वाराणसी के रहने वाले कृष्णकांत भौतिक विज्ञानी के साथ संगीतज्ञ हैं। शास्त्रीय संगीत में भक्तिकालीन संतों की कविताओं को प्रस्तुत व अनुवाद करते हैं। ग्रामीण भारत के लुप्तप्राय लोकगीतों के अभिलेखीकरण पर विशेष काम किया जिसमें 1400 वर्ष पुराने लोकगीत शामिल हैं।

हिमांशु गुप्ता वृंदावन में जन्मे हिमांशु प्रवासी भारतीय हैं और अमेरिका में ऊर्जा नीति विशेषज्ञ के तौर पर कार्यरत हैं। वह क्लाइमेट एआई के सह-संस्थापक है, जिन्हें 2022 में टाइम पत्रिका ने महान इनोवेशन में शामिल किया था। भारत में रिन्यूवेबल एनर्जी का ड्राफ्ट उन्होंने ही तैयार किया था।

मनीष वर्मा कानपुर के मनीष एससी-एसटी, ओबीसी किसानों के माध्यम से प्रमाणित बीज का उत्पादन कराते हैं। वेयर हाउसिंग, फूड प्रॉसेसिंग क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने सीएसआर के माध्यम से 1000 से अधिक दलित व गरीब लड़कियों को शिक्षा व कौशल विकास से जोड़ा।

कृष्णा यादव बुलंदशहर की कृष्णा ने 1996 में 500 रुपये उधार लेकर दिल्ली में अचार का काम शुरू किया। निरक्षर होने के बाद भी उन्होंने प्रबंधन की मिसाल कायम की। कृष्णा पिकल्स नाम की उनकी कंपनी का टर्नओवर 5 करोड़ से अधिक है। वह 100 महिलाओं को रोजगार भी दे रही हैं।

कर्नल सुभाष देशवाल बुलंदशहर के निवासी कर्नल देशवाल ने 21 साल तक सेना में सेवा देने के बाद 2002 में खेती शुरू की। आज वे भारत में गाजर के सबसे बड़े उत्पादकों में एक हैं। उनकी कंपनी गाजर की खेती, कटाई प्रबंधन, स्टोरेज व कृषि विपणन में कई इनोवेशन भी कर चुकी है।

डॉ. जय सिंह बहराइच के रहने वाले जय सिंह 1983 से ही केले की खेती कर रहे है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने इन्हें 'सर्वश्रेष्ठ केला किसान' का सम्मान भी दिया है। भारी गर्मी व सर्दी में भी केले के उत्पादन के लिए प्रजाति विकसित की है।